शनिवार

32 साल से देहरादून का विश्वास

04 जनवरी 2025

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 321
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मथुरा दत्त जोशी ने छोड़ा कांग्रेस का हाथ, अब भाजपा के साथ

विशेष संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश उपाध्यक्ष मथुरा जोशी ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता तथा सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। अपनी उपेक्षा से आहत जोशी ने आज ही भाजपा मुख्यालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण कर ली है।

पिथौरागढ़ से अपनी पत्नी को मेयर का टिकट न दिए जाने से नाराज मथुरा दत्त जोशी का कहना है कि उन्होंने अपना पूरा जीवन कांग्रेस को समर्पित कर दिया लेकिन कांग्रेस ने उनकी निष्ठा और मेहनत का कोई शिला नहीं दिया। बीते 48 सालों से वह कांग्रेस की सेवा कर रहे हैं। लेकिन उन्हे एक मेयर का टिकट भी नहीं मिल सकता तो उनके पार्टी में बने रहने का क्या औचित्य रहस्य जाता है। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी खुद सक्रिय राजनीति में रही है। कांग्रेस ने जिसे मेयर का टिकट दिया है उसके बारे में सभी लोग जानते हैं कि वह किस तरह की प्रत्याशी है।

कांग्रेस को बीच चुनाव लगा बड़ा झटका

जोशी ने आज ही अपना इस्तीफा राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा को भेजा है। हालांकि वह प्रत्याशियों के नाम की सूची जारी होने के समय से ही नाराज थे उनकी नाराजगी को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा खुद उनके घर भी गए थे तथा उनके मान मनोव्वल की कोशिशें भी की गई थी ऐसा लग रहा था कि शायद वह मान भी गए थे लेकिन आज उनके इस्तीफे की खबर आने के बाद यह साफ हो गया है कि जोशी अपनी उपेक्षा से इतने

आहत थे कि उन्होंने कांग्रेस का साथ छोड़ने का रास्ता चुना।

यह हैरान करने वाला ही है कि मथुरा दत्त जोशी जिनके हस्ताक्षर से प्रत्याशियों की सूची जारी की जा रही थी वह खुद कांग्रेस का हाथ छोड़कर चले गए वहीं दूसरी ओर पिथौरागढ़ से विधायक मयूख महर भी कांग्रेस से बगावत का झंडा बुलंद कर चुके हैं। तथा कांग्रेस प्रत्याशी अंजू लूंठी के खिलाफ अपने निर्दलीय प्रत्याशी को चुनाव जिताने का ऐलान कर चुके हैं। जोशी जो अब भाजपा के साथ चले गए हैं उससे भले ही भाजपा को कुछ फायदा हो न हो कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका जरूर है।

एक नजर

पीएम मोदी ने ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया। भारत मंडपम में आयोजित ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 में प्रधानमंत्री मोदी ने कारीगरों से भी बातचीत की। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मौजूद थीं। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष शाजी केवी ने भी प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे गांव जितने समृद्ध होंगे, विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उनकी भूमिका उतनी ही बड़ी होगी। पीएम मोदी ने कहा, श्जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा है। 2014 से मैं लगातार हर पल ग्रामीण भारत की सेवा के लिए काम कर रहा हूं। गांवों में लोगों को सम्मानजनक जीवन देना मेरी सरकार की प्राथमिकता है। हमारा दृष्टिकोण ग्रामीण भारत में लोगों को सशक्त बनाना, उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना, प्रवासन को रोकना और उनके जीवन को आसान बनाना है। इसे हासिल करने के लिए हमने हर गांव में बुनियादी सुविधाओं की गारंटी का अभियान चलाया है।श प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने अपना बचपन एक छोटे शहर में बिताया, जिसने मुझे ग्रामीण क्षेत्रों में सामना की जाने वाली चुनौतियों का प्रत्यक्ष अनुभव दिया। साथ ही, इससे मुझे गांवों में मौजूद विशाल संभावनाओं को समझने में भी मदद मिली। अपनी कड़ी मेहनत के बावजूद, ग्रामीण अक्सर सीमित संसाधनों के कारण अवसरों तक पहुंचने के लिए संघर्ष करते हैं। श

'जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा'

दून वैली मेल

संपादकीय

कितने दिन की सरकार?

भले ही 2024 के खंडित जनादेश के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने तीसरी बार केंद्र की सत्ता संभाली हो लेकिन सरकार के भविष्य को लेकर जो सवाल पहले दिन से खड़े थे वह आज भी जस के तस खड़े हैं। नववर्ष 2025 की शुरुआत भी इसी सवाल के साथ हुई है कि क्या 2025 में वर्तमान सरकार चली जाएगी? सवाल बेवजह इसलिए नहीं है क्योंकि जिन सहयोगियों के बूते पर यह सरकार अस्तित्व में बनी हुई है वह सहयोगी दल भी इस सरकार को अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मान रहे हैं। अभी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार के प्रशासनिक अमले में व्यापक स्तर पर फेर बदल किया गया वहीं केंद्र सरकार द्वारा रातों-रात केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का नया राज्यपाल बना दिया गया। बिहार व केंद्र सरकार के यह काम भाजपा और जदयू की रणनीतिक चालों के ही हिस्से हैं। बिहार में एक बार फिर नीतीश कुमार पलटी मारने और राजद के साथ मिलकर सरकार बनाने की खबरों के बीच केंद्र सरकार द्वारा बिहार में राष्ट्रपति शासन लागू करने की चर्चा भी आम हो गई। नीतीश कुमार दिल्ली आए तथा भाजपा नेताओं से बिना मिले ही वापस पटना लौट गए जबकि कांग्रेस नेताओं से उनकी मुलाकातों की बात सामने जरूर आई। माना जा रहा है कि अपने ऊपर आए आसन्न खतरे जिसमें भाजपा बिहार मे सत्ता में न आ पाने की स्थिति में राष्ट्रपति शासन लागू करने के जरिए तथा जदयू के कुछ सांसदों की तोड़फोड़ कर अपनी स्थिति को मजबूत करने और नीतीश को निष्प्रभावी करने के प्रयास किये जा रहे हैं। वहीं नीतीश कुमार ने भाजपा को हर हमले का जवाब देने का मन बना लिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि अगर केंद्र सरकार ने बिहार में राष्ट्रपति शासन लागू करने की कोशिश की तो केंद्र सरकार भी चली जाएगी। भले ही नीतीश कुमार के पास केंद्र सरकार को गिराने के लिए सांसदों की संख्या सीमित हो लेकिन 40 से अधिक सांसदों को इधर से उधर करने की क्षमता उनके पास है। वह भले ही किसी भी दल के हो या किसी भी राज्य के। केंद्र की सत्ता में बैठे भाजपा नेताओं को भी इस बात का अच्छे से आभास है। वर्तमान का सच यही है कि यह भाजपा नेता अपने और पार्टी के भावी भविष्य को लेकर इतने डरे सहमें हुए हैं कि उन्हें लगता है कि अगर एक बार सत्ता उनके हाथ से फिसली तो फिर उन्हें ढूंढे दिल्ली नहीं मिलने वाली है देश की राजधानी और बिहार दो ऐसे राज्य है जहां अपने उत्कृष्ट काल में भी भाजपा अपनी सरकार बनाने में नाकाम साबित हुई है। भले ही देश के तमाम राज्यों में उसने अपनी अतिवादी नीतियों के जरिए चुनी हुई सरकारों को गिराने और सत्ता पर काबिज होने में सफलता हासिल कर ली हो लेकिन बिहार व दिल्ली में उसे सत्ता अभी मिलती नहीं दिख रही है लेकिन इन राज्यों में कुछ तो ऐसा खास है ही जो भाजपा की हर रणनीति को नाकाम करने की कुव्वत रखते हैं। नीतीश और केजरीवाल भाजपा के हाथ आने वाले नहीं है। इसकी कसक भाजपा के अंदर लाजमी बनी रहेगी। दिल्ली में अगले माह तथा बिहार में नवंबर माह में चुनाव प्रस्तावित है। केंद्र सरकार के सामने अपनी सरकार को बचाए रखने की चुनौती के साथ इन राज्यों में अपना दबदबा बना पाने की भी चुनौती है लेकिन भाजपा का हर एक दांव उल्टा ही पड़ रहा है। बिहार में वह राज्यपाल बदलकर राष्ट्रपति शासन लागू कर पाएगी इसका क्या परिणाम होगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

राज्य सरकार ने किसानों से इस साल 3100 मीट्रिक टन मंडुआ खरीदा

हमारे संवाददाता

देहरादून। कुछ समय पहले तक उपेक्षित रहने वाला मंडुआ अब हाथों हाथ बिक रहा है। राज्य सरकार ने ही इस साल विभिन्न सहकारी और किसान संघों के जरिए उत्तराखंड के किसानों से 3100 मीट्रिक टन से अधिक मंडुआ खरीदा है। सरकार ने इस साल किसानों को मंडुआ पर 4200 प्रति कुंतल का समर्थन मूल्य भी दिया है।

उत्तराखंड के सीढ़ीदार खेतों में परंपरागत रूप से मंडुआ की खेती होती रही है। लेकिन कुछ साल पहले तक मंडुआ फसल उपेक्षा का शिकार रहती थी, जिस कारण किसानों का भी मंडुआ उत्पादन के प्रति मोह भंग होने लगा था। लेकिन केंद्र और उत्तराखंड सरकार द्वारा अब मिलेट्स फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिस कारण उत्तराखंड में मंडुआ उत्पादक क्षेत्र के साथ ही उत्पादन भी बढ़ रहा है।

मौजूदा सरकार ने मंडुआ उत्पादक किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए सबसे पहले 2022 इसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से खरीदना शुरू किया। साथ ही उपभोक्ताओं तक मिलेट्स उत्पाद पहुंचाने के लिए सार्वजनिक वितरण

❑राज्य भर में 270 केंद्रों के जरिए हुई मंडुआ की खरीद
❑सरकार ने किसानों से 4200 प्रति कुंतल के मूल्य पर की खरीद

प्रणाली से लेकर मिड डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों के पोषण कार्यक्रम में इसे शामिल किया गया। इसी तरह सरकार ने स्टेट मिलेट मिशन शुरू करते हुए, उत्पादन बढ़ाने के साथ ही, मिलेट्स उत्पादों को अपनाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार, किसानों से खरीद से लेकर भंडारण तक की मजबूत व्यवस्था तैयार की। वहीं किसानों को बीज, खाद पर अस्सी प्रतिशत तक सब्सिडी दी गई।

सरकार ने दूर दराज के किसानों से मंडुआ खरीदने के लिए बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों के सहयोग से जगह - जगह संग्रह केंद्र स्थापित किए। इस प्रयोग की सफलता की कहानी यूं कही जा सकती है कि 2020-21 में जहां इन केंद्रों की कुल संख्या 23 थी जो 2024-25 में बढ़कर 270 हो गई है। इन केंद्रों के जरिए इस साल उत्तराखंड के किसानों से 3100.17 मीट्रिक टन, मंडुआ की खरीद की गई, इसके लिए किसानों को 42.46 प्रति किलो की दर से समर्थन मूल्य दिया गया। सरकार ने मंडुआ खरीद में सहयोग देने के लिए किसान संघों को 150 रुपए प्रति कुंतल और बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों को प्रति केंद्र 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। साथ ही सुनिश्चित किया गया कि केंद्रों का भुगतान 72 घंटे में कर दिया जाए।

फेडरेशन ऑफ एलआईसी क्लास-वन ऑफिसर्स का स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

हमारे संवाददाता

देहरादून। भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारियों के संगठन फेडरेशन ऑफ एलआईसी क्लास-1 ऑफिसर्स एसोसिएशंस का स्थापना दिवस मंडल कार्यालय परिसर में मनाया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने राफेल राइडर चेशायर इंटरनेशनल सेंटर देहरादून में खाद्य सामग्री का वितरण किया।

संगठन के अध्यक्ष बी एम देवली ने कहा कि अपने सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित उनका संगठन अधिकारियों के हितों के लिए कार्य करने के साथ-साथ समाज के जरूरतमंदों को भी निरंतर सहयोग करता रहा है। विगत वर्ष फेडरेशन के स्थापना दिवस के अवसर पर देहरादून शहर में गरीबों को वस्त्रदान किए गए थे। इसी क्रम में इस वर्ष राफेल होम को जरूरतमंद बच्चों के पोषण हेतु खाद्य सामग्री दी गई है। इस अवसर पर सचिव नवीन धमांदा ने कहा कि बदलते परिवेश में एलआईसी की कार्य संस्कृति के अनुरूप अधिकारियों ने स्वयं को समायोजित किया है जिसका प्रभाव संस्था की त्वरित सेवाओं पर आसानी से देखा जा सकता है। कार्यक्रम में नव वर्ष के अवसर पर जारी कलेंडर का वितरण भी किया गया। आयोजन में उपाध्यक्ष अजय रावत, संयुक्त सचिव विनोद भट्ट और कोषाध्यक्ष मदन सिंह रावत तथा राफेल होम की तरफ से कर्नल पासा विश्वास, धर्मपाल सिंह, मंगली राणा व संजय रावत उपस्थित रहे।

तमंचे सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे बदमाश को पुलिस ने तमंचे सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार देर रात थाना कलियर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस नहर पटरी बिजली घर के समीप पहुंची तो वहां उसे एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए मिला। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम नसीम कुरैशी उर्फ राडिया उर्फ चीकू पुत्र अनीश निवासी सीकरी थाना भोपा मुजफ्फरनगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

19 जनवरी को स्थापना दिवस व 20 को मनाएंगे राष्ट्रीय रेडी पटरी दिवसः चोपड़ा

नगर संवाददाता

हरिद्वार। फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में प्रथम वेंडिंग जोन के प्रांगण में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन वेंडिंग जोन की अध्यक्ष सुमन गुप्ता ने किया। बैठक में तय किया गया आगामी 19 जनवरी को संगठन के स्थापना के अवसर पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी वही 20 जनवरी को राष्ट्रीय रेडी पटरी दिवस के अवसर पर विशाल जन चेतना यात्रा निकालकर रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों की न्याय संगत मांगों को दोहराया जाएगा।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा आगामी 19 जनवरी को संगठन के 21

वें स्थापना दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन कर संगठन को नई दिशा दिए जाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आगामी 20 जनवरी को राष्ट्रीय रेडी पटरी दिवस के अवसर पर विशाल जन चेतना रैली निकालकर रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम, उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली को राज्य में सभी नगर निकायो में लागू करने की मांग को जन समर्थन के साथ दोहराया जाएगा। रेडी पटरी के लघु व्यापारियों की बैठक को संबोधित करने में सचिन राजपूत, मोहनलाल, प्रभात चौधरी, विजेंद्र कुमार, मनोज पाल, प्रमोद, चंदन रावत, श्याम कुमार, भोला, तस्लीम अहमद, नईम सलमानी, सुमन, आशा, मंजू, सुनीता, पुष्पा दास आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

दक्षेस से भारत को सतर्क रहने की जरूरत

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

महाशक्तियों की राजनीतिक और आर्थिक महत्त्वाकांक्षाओं ने तीसरी दुनिया के उभरने की संभावनाओं को सुनियोजित तरीके से खत्म कर दिया है। इसका प्रतिबिंब है दक्षिण एशिया और इन देशों का क्षेत्रीय संगठन दक्षेस जिसे सार्क भी कहा जाता है। अमेरिकी प्रभाव में पाकिस्तान की जमीन का सैन्य कार्यों के लिए उपयोग और नेपाल के आधे-अधूरे लोकतंत्र पर चीनी कम्युनिज्म की काली छाया के चलते दक्षिण एशिया के देशों को एकजुट रखने का ख्वाब कई दशकों पहले ही टूट चूका है। इस क्षेत्र में विभिन्न देशों के बीच राजनीतिक मुद्दों पर गहरे तनाव बढ़े हैं तथा सांस्कृतिक टकराव की स्थितियां भी निर्मित हो गई है।

इन जटिल स्थितियों ने सबसे ज्यादा चोट दक्षेस की स्थापना को पहुंचाई है जिसका उद्देश्य दक्षिण एशिया को एकजुट करना और इसके देशों के बीच समृद्धि, विकास और शांति को बढ़ावा देना बताया जाता था। हाल ही में बांग्लादेश और पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष किसी तीसरे देश में मिले और उनके बीच सार्क को पुनर्जीवित करने पर बात हुई तो इसमें संभावनाएं कम और मनोवैज्ञानिक दबाव की कूटनीति ज्यादा नजर आई। दरअसल, बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद भारत के इस पड़ोसी देश की राजनीतिक परिस्थितियों में भी भारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। लंबे समय से सत्ता पर काबिज शेख हसीना के खिलाफ छात्रों का आंदोलन देश में राजनीतिक परिवर्तन के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन बाद में कट्टरपंथी शक्तियों के प्रभाव में अब यह भारत विरोध के आंदोलन में परिवर्तित हो गया है। बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस की पाकिस्तान के साथ राजनीतिक मुद्दों पर समाधान की जल्दबाजी की कोशिशों में सकारात्मक पहल से ज्यादा भारत पर मनौवैज्ञानिक दबाव बनाने की कूटनीति ज्यादा नजर आ रही है और इसकी छाया दक्षिण एशिया के देशों के बीच आपसी सहयोग की संभावनाओं को पूरी तरह खत्म कर सकती है। सार्क में आठ देश भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव और अफगानिस्तान शामिल है। 8 दिसम्बर 1985 को काठमांडू, नेपाल से शुरू हुए इस क्षेत्रीय संगठन को तीसरी दुनिया के हितों के संरक्षण के लिए उम्मीदों के तौर पर देखा गया था और यह विश्वास किया गया था कि यह एक साझी आवाज होगी जिससे इन देशों को वैश्विक मंच पर अपने मुद्दों को उठाने में मदद मिल सके। दक्षेस का पहला शिखर सम्मेलन 1985 में आयोजित हुआ था और इसके बाद से यह संगठन तमाम विरोधाभासों के बाद भी विभिन्न देशों के नेताओं की बैठकें आयोजित करता रहा है। यह संगठन क्षेत्रीय संघर्ष, आतंकवाद, नशीले पदाथरे की तस्करी और सीमा विवादों के समाधान के संभावनाओं पर भी काम करता है। दक्षिण एशिया दुनिया की सबसे पुरानी ज्ञात सभ्यताओं में से एक सिंधु सभ्यता का घर है और दुनिया की सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है। जातीय, भाषाई और राजनीतिक विखंडन के इतिहास के बावजूद, इस क्षेत्र के लोग एक समान सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टिकोण से एकजुट माने जाते हैं।

वैश्विक भुखमरी सूचकांक की एक रिपोर्ट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका की स्थिति बेहद निम्नतम बताई गई है। जलवायु परिवर्तन और कोविड महामारी से भुखमरी का संकट तो बढ़ा ही है साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की समस्याएं भी विकराल हो गई है। दक्षिण एशिया के कई देश राजनीतिक उथल-पुथल के शिकार रहे हैं और भारत को छोडक़र अन्य देशों में अस्थिरता का अंदेशा बना रहता है। दक्षेस की स्थापना का उद्देश्य दक्षिण एशिया में आपसी सहयोग से शांति और प्रगति हासिल करना बताया गया था, लेकिन विभिन्न देशों के बीच विवाद इस पर पूरी तरह हावी रहे और इसी का परिणाम है कि दुनिया की बड़ी आबादी वाला यह संगठन आर्थिक समस्याओं का समाधान करने में विफल रहा है। चीन जैसी विदेशी संस्थाओं पर बहुत अधिक निर्भरता ने पाकिस्तान को आर्थिक रूप से कमजोर बना दिया है। इसका नतीजा यह हुआ है कि पाकिस्तान के पास अपने आयात बिलों का भुगतान करने के लिए कोई विदेशी जमा पूंजी शेष नहीं बची है। नेपाल और श्रीलंका की भी कुछ यही स्थिति है। दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान का मानवीय संकट बेहद गंभीर अवस्था में पहुंच गया है। तालिबान के सत्ता में आने के बाद देश गरीबी से बेहाल है। यहां दो करोड़ से ज्यादा लोगों पर भुखमरी का संकट गहरा रहा है और लोगों की जिंदगी मुश्किल में है। तालिबान के आने के बाद वैश्विक आर्थिक मदद बंद हो गई है और अमेरिका ने उस पर कई प्रतिबंध भी लगा दिए हैं। अफग़ान सरकार की संपत्ति,केंद्रीय बैंक का रिज़र्व सब फ्रीज़ कर दिया गया है। प्रतिबंधों के कारण वहां की अर्थव्यवस्था लडखड़ा गई है। मालदीव,बंगलादेश औए श्रीलंका चीन की कर्ज नीति के जाल में पूरी तरह फंस चूके है। दक्षिण एशिया की बहुसांस्कृतिक पहचान है और सभी देशों को अप्रिय स्थिति उत्पन्न न होने देने के लिए सतर्क रहने की जरूरत होती है। इस समय आवश्यकता इस बात की है कि दक्षेस के देश आपसी व्यापार और सम्बन्धों को बेहतर करके आपसी सहयोग को बढ़ाएं।

चीन जैसे देश का हस्तक्षेप दक्षिण एशिया के देशों के लिए घातक साबित हो रहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान दक्षिण एशिया में भारत के विकल्प के तौर पर चीन को प्रस्तुत करना चाहते है। इस क्षेत्र में चीन के लिए युआन को मजबूत करने के गहरे अवसर भी है। युआन कूटनीति में अधिनायकवाद, साम्यवादी आक्रामकता और मानवाधिकारों की अनदेखी शामिल है। राजनीतिक अस्थिरता से अभिशिप्त दक्षिण एशिया में चीनी प्रभाव पृथकतावाद को बढ़ावा दे रहा है और कई देशों की संप्रभुता को भी खतरे में डाल रहा है। भारत पर सामरिक दबाव बढ़ाने के लिए चीन ने भारत के पड़ोसी देशों में सहायता की कूटनीति से अपना प्रभाव बढ़ाया है। अब दक्षेस पर उसकी नजर है। दक्षेस में कभी भारत की राजनीतिक हैसियत बहुत मजबूत हुआ करती थी, लेकिन अब स्थितियां बदल चुकी है। भविष्य में यह भारत विरोधी देशों का मंच नहीं बन जाए इसे लेकर भारत को सतर्क रहने की जरूरत है।

शतरंज खेलने से मिल सकते हैं कई फायदे, जानिए इसे अपनाने के तरीके

शतरंज एक ऐसा खेल है, जो न केवल दिमाग को तेज करता है, बल्कि धैर्य और रणनीति बनाने की कला भी सिखाता है।अगर आप शतरंज के शौकीन हैं या इसे सीखना चाहते हैं तो रोजाना अभ्यास करना बहुत जरूरी है। यह खेल आपके मानसिक कौशल को निखारता है और सोचने की क्षमता को बढ़ाता है।आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान तरीके बताते हैं, जिससे आप अपनी दिनचर्या में शतरंज को शामिल कर सकते हैं।

समय निर्धारित करें

रोजाना शतरंज खेलने के लिए एक निश्चित समय निर्धारित करें। यह समय सुबह का हो सकता है जब आपका दिमाग ताजा होता है या शाम का जब आप अपने काम से फ्री होते हैं।नियमित समय पर खेलने से यह आपकी आदत बन जाएगी। इससे न केवल आपका खेल बेहतर होगा, बल्कि मानसिक कौशल भी निखरेंगे।धीरे-धीरे आपको खेल में सुधार दिखेगा और आप नई रणनीतियों को आजमाने के लिए प्रेरित होंगे।

छोटे लक्ष्य बनाएं

शुरुआत में बड़े लक्ष्य बनाने के बजाय छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं। जैसे कि पहले हफ्ते में सिर्फ बुनियादी चालें सीखें, फिर अगले हफ्ते कुछ खास रणनीतियों पर ध्यान दें।इसके बाद हर दिन एक नई चाल या रणनीति पर काम करें। छोटे लक्ष्यों को पूरा करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और आगे बढने की प्रेरणा मिलती है।इससे आप शतरंज के खेल में धीरे-धीरे माहिर हो जाएंगे और आपकी सोचने की क्षमता भी बेहतर होगी।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें

आजकल कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं, जहां आप दुनिया भर के खिलाडियों के साथ खेल सकते हैं।इन प्लेटफॉर्म्स पर खेलने से आपको अलग-अलग प्रकार की चालों और रणनीतियों का अनुभव मिलेगा, जिससे आपका खेल बेहतर होगा।इसके अलावा आप अपने खेल को रिकॉर्ड कर सकते हैं और बाद में अपनी गलतियों को सुधार सकते हैं।इन प्लेटफॉर्म्स पर विभिन्न स्तरों के खिलाड़ी होते हैं, जिससे आपको अपने स्तर के अनुसार प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलता है।

किताबें और वीडियो देखें

शतरंज की किताबें पढना़ और वीडियो देखना आपके खेल को सुधारने के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इससे आपको नए-नए तरीकों और चालों के बारे में जानकारी मिलती है, जो आपके खेल को बेहतर बनाने में मदद करती है।किताबों में दिए गए उदाहरण और वीडियो में दिखाए गए मैच आपको नई रणनीतियों को समझने का मौका देते हैं।विशेषज्ञों द्वारा दिए गए टिप्स भी आपकी समझ को गहरा करते हैं।

दोस्तों और परिवार के साथ खेलें

अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों को भी इस खेल में शामिल करें। उनके साथ खेलने से न केवल मजा आएगा बल्कि प्रतिस्पर्धा का माहौल भी बनेगा जिससे आपका प्रदर्शन बेहतर होगा।आपसी मुकाबले से नई चालें और रणनीतियां सीखने का मौका मिलेगा। इससे आप एक-दूसरे की गलतियों से भी सीख सकते हैं और खेल में सुधार कर सकते हैं।इस प्रकार शतरंज को अपनी दिनचर्या में शामिल करना आसान हो जाएगा और दिमागी कौशल भी निखरेंगे।

स्वास्थ्य के लिए जरूरी है हर रोज व्यायाम करना

हम सभी जानते हैं कि व्यायाम के बहुत सारे लाभ हैं, जिन्हें किसी के समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक माना जाता है। यह याददाश्त में सुधार करता है, बीमारियों से बचाता है और तनाव को कम करता है। वास्तव में, विशेषज्ञों के अनुसार, यह कई प्रकार की बीमारियों का मूल समाधान है। हालांकि लोग अच्छी शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के लिए व्यायाम के लाभों से परिचित हैं, लेकिन कई लोग यौन स्वास्थ्य के लिए इसके महत्व से अवगत हैं।

शरीर के वजन को प्रबंधित करने के अलावा, व्यायाम स्वस्थ रक्त प्रवाह को बनाए रखता है, भावनात्मक स्वास्थ्य को मजबूत करता है, और नियमित व्यायाम यौन-बढ़ाने वाले मानसिक और शारीरिक लाभों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के एक नए अध्ययन से पता चला है कि 43प्रति. महिलाओं और 31प्रति. पुरुषों को मोटापे और व्यायाम की कमी के कारण यौन रोग का सामना करना पड़ा।

इसलिए, नियमित व्यायाम में योगदान देकर कई सकारात्मक सेक्स संबंधी लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं। तो, यहां कुछ पहलू दिए गए हैं जिनमें दैनिक व्यायाम आपके यौन स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

रक्त परिसंचरण को बढ़ावा दें :

व्यायाम के दौरान दिल की धड़कन तेज हो जाती है और पूरे शरीर में रक्त संचार बेहतर हो जाता है। यह आपको रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल आदि को कम करने में मदद करता है। नतीजतन, यौन अंगों में स्वस्थ रक्त प्रवाह द्वारा एक व्यक्ति के यौन स्वास्थ्य में सुधार होता है, जो यौन अनुभव को बढ़ाता है।

शरीर की छवि में सुधार :

यौन रूप से सक्रिय होना अक्सर एक सकारात्मक शरीर की छवि को निर्देशित कर सकता है जो एक महान कारक हो सकता है क्योंकि कथित आकर्षण की भावनाएं यौन संतुष्टि से संबंधित होती हैं। व्यायाम करने से आप अपने वांछित शरीर के आकार में होंगे, जिसके परिणामस्वरूप आप और आपके साथी में एक मजबूत ड्राइव होगी।

तनाव को कम करें :

हम जानते हैं कि शारीरिक गतिविधि एंडोर्फिन का उत्पादन करती है जिसे हैप्पी हार्मोन भी कहा जाता है। ये दर्द को रोकने और आनंद को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए, यदि आप अधिक खुश हैं, तो यह आपकी सेक्स ड्राइव को प्रभावित करेगा। संक्षेप में कहें तो तनाव से निपटने के दौरान व्यायाम से आपकी सेक्स लाइफ भी बेहतर होगी।

यौन रोग को कम करें :

नियमित रूप से व्यायाम करने से पुरुषों और महिलाओं दोनों में यौन रोग को कम किया जा सकता है। बेहतर हृदय स्वास्थ्य, सहनशक्ति और लंबी उम्र आपको और आपके साथी को अत्यधिक संतुष्टि दे सकती है।

10 जनवरी को फैंस को तोहफा देंगे आरआरआर स्टार राम चरण

न्य ईयर आते ही साउथ सुपरस्टार राम चरण अपने फैंस के लिए गेम चेंजर लेकर आ रहे हैं जो 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। फिलहाल इसके ट्रेलर को लेकर भी दर्शक काफी एक्साइटेड हैं। फाइनली इसकी डेट भी सामने आ गई है। वहीं दूसरी ओर उनकी फिल्म को लेकर लोगों में इतना क्रेज है कि आंध्रप्रदेश में सुपरस्टार का बड़ा कटआउट लगाया गया जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

राम चरण की गेम चेंजर का ट्रेलर न्यू ईयर पर यानि 1 जनवरी को रिलीज होने जा रहा है। पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे राम चरम और कियारा आडवाणी की फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। फिल्म के निर्माता दिल राजू ने हाल ही में एक इवेंट में फिल्म के बारे में रोमांचक अपडेट शेयर करते हुए कहा कि न्यू ईयर के तोहफे के रूप में गेम चेंजर का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। दिल राजू ने कहा, ट्रेलर तैयार है, लेकिन इसे आपके सामने रिलीज करने से पहले कुछ और काम किया जाना है। ट्रेलर किसी फिल्म की रेंज तय करता है। हम आपको वह अनुभव देने के लिए तैयार हैं। ट्रेलर 1 जनवरी को नए साल के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

गेम चेंजर निर्माता ने फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के बारे में भी जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि वे आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण को चीफ गेस्ट के रूप में इनवाइट करने का प्लान कर रहे हैं।

राम चरण की फिल्म को लेकर तो फैंस पहले से एक्साइटेड हैं इसका पता इस बात से लगाया जा सकता है कि ट्रेलर रिलीज से पहले राम चरण का 256 फीट का कटआउट लगाया है। ये कटआउट सोशल मीडिया पर खूब वायरल है जो दिखाता है कि दर्शकों के बीच राम चरण का कितना क्रेज है।

गेम चेंजर एक अपकमिंग पॉलीटिकल एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन मशहूर फिल्म निर्माता एस शंकर ने किया है। कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है और इस फिल्म में राम चरण कियारा आडवाणी के साथ लीड रोल में हैं। फिल्म में राम चरण एक आईएएस ऑफिसर है जो एक भ्रष्ट पॉलीटिकल व्यवस्था को सुधारने के लिए लड़ता है। टीजर से पता चलता है कि राम चरण फिल्म में डबल रोल में हो सकते हैं।

कन्नप्पा से मोहनलाल का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

विष्णु मांचू की पौराणिक ड्रामा कन्नप्पा बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म प्रभास, अक्षय कुमार, काजल अग्रवाल और मोहनलाल के दिलचस्प कैमियो की वजह से चर्चा में है। अब विष्णु मांचू अपनी फिल्म का प्रचार करने में जुटे हुए हैं। इस बीच उन्होंने फैंस का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म से मोहनलाल का पोस्टर जारी किया है और उनके किरदार का भी खुलासा कर दिया है।

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल अभिनेता विष्णु मांचू की आगामी बड़े बजट की फिल्म कन्नप्पा में किराता की भूमिका निभाएंगे। मोहनलाल का फर्स्ट-लुक कैरेक्टर पोस्टर जारी किया गया। मोहनलाल इस फिल्म में कई सितारों के साथ कैमियो रोल निभाएंगे। विष्णु मांचू ने एक्स पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, किराता। लीजेंड श्री मोहनलाल कन्नप्पा में। मुझे हमारे समय के सबसे महान अभिनेताओं में से एक के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने का सम्मान मिला। यह पूरा सीक्वेंस होगा।

पोस्टर के अनुसार, मोहनलाल की भूमिका में किराता पशुपतास्त्र (भगवान शिव और देवी काली का मुख्य हथियार) के मास्टर हैं। वह आदिवासी पोशाक पहने हुए हैं और उनके हाथ में तलवार है। वह चेहरे पर रंग लगाए और बालों में लट लगाए हुए हैं और मजबूत और खतरनाक दिख रहे हैं।

फिल्म की बात करें तो कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने किया है। विष्णु मांचू अभिनीत यह फिल्म कथित तौर पर हिंदू भगवान शिव के एक कट्टर भक्त की कहानी पर आधारित है। मुख्य भूमिका निभाने के अलावा विष्णु ने कन्नप्पा की पटकथा भी लिखी है। इसका निर्माण विष्णु मांचू के पिता और दिग्गज अभिनेता-निर्माता मोहन बाबू ने किया है। इसकी शूटिंग न्यूजीलैंड, हैदराबाद और अन्य स्थानों पर की गई है।

विष्णु मांचू कन्नप्पा में ऐश्वर्या भास्करन, मोहन बाबू, अक्षय कुमार, प्रभास, सरथकुमार, ब्रह्मानंदम, मुकेश ऋषि, मधु और प्रीति मुखुनदन जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। आगामी बड़े बजट की फिल्म एवीए एंटरटेनमेंट और 24 फ्रेम्स फैक्ट्री के बैनर तले बनी है। मूल रूप से तेलुगु में शूट की गई कन्नप्पा को तमिल, कन्नड़, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी में डब किया जाएगा। कन्नप्पा 25 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हर बात पर हो जाता है मूड खराब, खाने में इन फूड को करें शामिल,स्ट्रेस लेवल होगा कम

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव या स्ट्रेस एक आम समस्या बन चुकी है। इसका सीधा असर हमारे मूड पर पड़ता है। मूड खराब होना, चिड़चिड़ापन महसूस करना आदि, तनाव के सामान्य लक्षण हैं। इसका कारण होता है कार्टिसोल हार्मोन का बढना।कई बार शरीर में मैग्नीशियम की कमी के कारण यह समस्या और बढ़ जाती है। ऐसे में मैग्नीशियम से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन आपके तनाव को कम करने और मूड को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। अगर आप भी स्ट्रेस से परेशान हैं, तो अगली बार इन हेल्दी स्नैक्स को आजमाएं। ये न केवल आपके मूड को बूस्ट करेंगे, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद होंगे।

हल्दी वाली लस्सी

हल्दी वाले दूध के फायदे तो आपने सुने होंगे, लेकिन अब हल्दी वाली लस्सी का स्वाद और फायदा लें। हल्दी वाली लस्सी तनाव कम करने में बहुत कारगर है। इसे बनाने के लिए दही में हल्दी, शहद, पंपकिन सीड्स और बारीक कटे बादाम मिलाएं। यह जिंक और मैग्नीशियम से भरपूर होती है, जो कार्टिसोल लेवल को कम करती है और मूड को बेहतर बनाती है।

सफेद चने का सलाद

सफेद चने का सलाद न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी लाभकारी है। इसे बनाने के लिए उबले हुए सफेद चनों में खीरा, टमाटर, जीरा पाउडर, काली मिर्च, नींबू का रस और काला नमक मिलाएं। यह सलाद फाइबर, विटामिन C और मैग्नीशियम से भरपूर है, जो आपको दिनभर ऊर्जावान बनाए रखता है और तनाव को दूर करता है

अलसी और ज्वार के लड्डू

अलसी और ज्वार से बने लड्डू न केवल टेस्टी होते हैं, बल्कि ये आपके कार्टिसोल लेवल को भी कंट्रोल करते हैं। इन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। ये लड्डू मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं और आपका मूड बूस्ट करने में मदद करते हैं।

हल्दी दूध और अखरोट

रात को सोने से पहले हल्दी वाला गर्म दूध पीना शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें अगर बारीक कटे हुए अखरोट डाल दिए जाएं, तो इसका असर और बढ़ जाता है। यह मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो न केवल तनाव को कम करता है, बल्कि आपको बेहतर नींद भी देता है।

घी में रोस्ट मखाने

मखाने, जो मैग्नीशियम का एक अच्छा स्रोत हैं, को घी में भूनकर खाना न केवल टेस्टी है, बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। यह स्नैक ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी को पूरा करता है और स्ट्रेस लेवल को भी कम करता है।

शब्द सामर्थ्य - 86

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

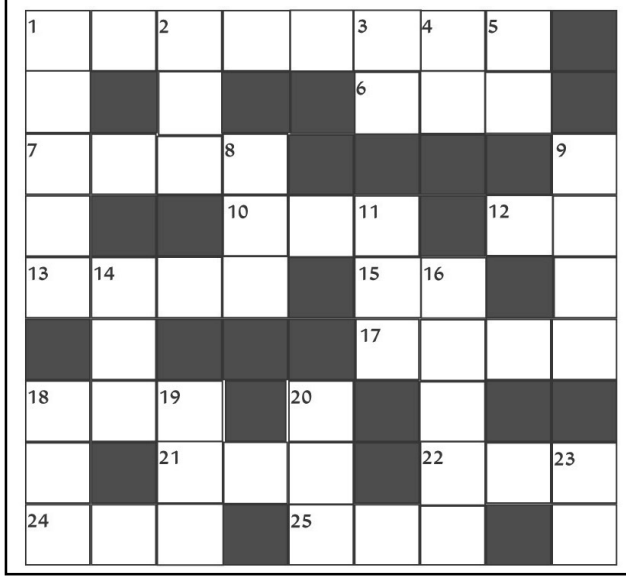

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 85 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

मनोज बाजपेयी ने पूरी की द फैमिली मैन की शूटिंग

फिल्म इंडस्ट्री के वर्सेटाइल अभिनेता मनोज बाजपेयी ने सुपरहिट सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन की शूटिंग पूरी कर ली है। अभिनेता ने एक तस्वीर शेयर कर फैंस को झलक दिखाई।

अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में शूटिंग से पर्दे के पीछे (बीटीएस) की एक तस्वीर शेयर की।

'द फैमिली मैन' में मनोज बाजपेयी के किरदार का नाम 'श्रीकांत तिवारी' रहता है, जो मध्यमवर्गीय व्यक्ति है और वह जो राष्ट्रीय जांच एजेंसी की एक ब्रांच थ्रेट एनालिसिस एंड सर्विलांस सेल (काल्पनिक) के लिए सीक्रेट रूप से अधिकारी के रूप में काम करता है। इस सीरीज की घोषणा जून 2018 में की गई थी। पहले सीजन की शूटिंग मुंबई, दिल्ली, केरल, जम्मू और कश्मीर के साथ ही लद्दाख में की गई थी और मई 2019 तक इसे पूरा कर लिया गया था। दूसरे सीजन की शूटिंग नवंबर 2019 में शुरू हुई थी और सितंबर 2020 में पूरी हो गई थी।

इस सीरीज में मनोज बाजपेयी के साथ प्रियामणि, शरद केलकर, नीरज माधव, शारिब हाशमी, दलीप ताहिल, सनी हिंदुजा और श्रेया धनवंतरी भी हैं।

सीरीज का निर्माण और निर्देशन राज और डीके ने किया है, जिन्होंने सुमन कुमार के साथ मिलकर कहानी और पटकथा भी लिखी है, जबकि डायलॉग सुमित अरोड़ा और कुमार ने लिखे हैं। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु सीरीज के दूसरे सीजन में विलेन के रूप में नजर आई थीं। दूसरे सीजन के अंत में शो के तीसरे सीजन बनने का संकेत भी दिया गया था। मनोज बाजपेयी सत्या, कौन, गैंग्स ऑफ वासेपुर, वीर-ज़ारा, अलीगढ़, सोन चिरैया और गुलमोहर जैसी फिल्मों में दमदार काम कर चुके हैं। बाजपेयी हाल ही में दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आई थीं।

बेबी जॉन का बॉक्स ऑफिस पर डब्बा गुल, पुष्पा 2 के आगे टेके घुटने

वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म बेबी जॉन क्रिसमस डे के खास मौके पर रिलीज हुई थी. हॉलीडे पर रिलीज हुई फिल्म बेबी जॉन ने पहले दिन 11.25 करोड़ रुपये से खाता खोला था. वहीं, बेबी जॉन की कमाई पहले से दिन ही लगातार नीचे गिरती जा रही है. अल्लू अर्जुन स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म पुष्पा 2 के सामने बेबी जॉन टिक नहीं पा रही हैं. वहीं, पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर बेबी जॉन से ज्यादा कमा रही है. बेबी जॉन से अंदाजा लगाया जा रहा था कि यह फिल्म एक्टर की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म साबित हो सकती है. वहीं, वरुण अपनी पिछली रिलीज भेडिया के ओपनिंग डे का रिकॉर्ड तोडने में जरूर कामयाब रहे है. बता दें. वरुण धवन की टॉप 5 बिग ओपनिंग फिल्मों में बेबी जॉन अब पांचवें नंबर पर आ गई है.

बता दें, फिल्म बेबी जॉन को शाहरुख खान के साथ जवान जैसी मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म देने वाले डायरेक्टर एटली ने प्रोड्यूस किया है. बेबी जॉन के डायरेक्टर कलीश हैं, जिन्होंने फिल्म थेरी के हिंदी रीमेके शानदार तरीके से पर्दे पर पेश किया है. वहीं, बेबी जॉन 160 करोड़ रुपये में बनी है और फिल्म कमाई देखकर लगता है कि यह अपनी लागत भी नहीं निकाल पाएगी.

पुष्पा 2 ने इन दिनों में भारत में 1100 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड 1700 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म पुष्पा 2 बीती 5 दिसंबर को रिलीज हुई थी और जब से अब तक फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है. पुष्पा 2 हिंदी और साउथ सिनेमा की सभी फिल्मों के अलग-अलग रिकॉर्ड तोड़ चुकी है और इसी के साथ पुष्पा इंडियन सिनेमा की तीसरी सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है. अब पुष्पा 2 की नजर इंडियन की सबसे कमाऊ फिल्म बनने पर टिकी है.

सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म पुष्पा 2 ने तेलुगू में 1.19 करोड़ रुपये, हिंदी में 6.5 करोड़ रुपये, तमिल में 0.3 करोड़ रुपये, कर्नाटक में 0.03 करोड़ रुपये और केरल में 0.01 करोड़ रुपये कमाए है. इसी के साथ फिल्म पुष्पा 2 का भारत में कुल कलेक्शन 1129.09 करोड़ रुपये हो गया है. बता दें, इंडियन सिनेमा की सबसे कमाऊ फिल्म दंगल (2024 करोड़ रुपये) और बाहुबली 2 (1810 करोड़ रुपये) के बाद अब पुष्पा 2 का स्थान है, जो 22 दिनों में 1719.50 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है. वहीं, अब बाहुबली 2 का रिकॉर्ड तोडने के पुष्पा 2 को अभी 90 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाने होंगे.

स्टाइलिश आउटफिट पहन प्रज्ञा जैसवाल ने कैमरे के सामने दिए सिजलिंग पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका किलर अवतार इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने परफेक्ट फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।

वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने ब्लू कलर की बेहद ही स्टाइलिश फ्रिल्स लुक में ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो अपने परफेक्ट बॉडी कर्व्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

बालों का स्टाइलिश बन बनाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो उनकी हर लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

प्रज्ञा जैसवाल की इन फोटोज को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 48 हजार से भी 'यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं। वहीं, कुछ यूजर्स ने सो हॉट, यू लुक सो ब्यूटिफुल, हॉट एंड गॉर्जियस जैसे कॉमेंट्स किए हैं।

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी की तीसरी किस्त का ऐलान

रानी मुखर्जी की मर्दानी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था इसकी दूसरी किस्त ने भी क्रिटीक्स और दर्शकों की खूब सरहना बटोरी थी। तभी से इसके तीसरे पार्ट का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब वह इंतजार खत्म हुआ क्योंकि यशराज स्टूडियो ने मर्दानी 3 का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दिया है। बता दें मर्दानी 2 को रिलीज हुए 5 साल हो गए हैं इसी मौके पर मेकर्स ने मर्दानी 3 की रिलीज डेट का अनाउंसमेंट करते हुए दर्शकों को सरप्राइज दिया है। वहीं 2024 में मर्दानी की रिलीज को 10 पूरे हो गए हैं। इस फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2014 में हुई थी। 22 अगस्त 2014 को मर्दानी सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिला था।

यशराज स्टूडियोज ने फिल्म का नया पोस्टर रिलीज करते हुए रिलीज डेट का एलान किया। पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा, इंतजार खत्म हुआ, मर्दानी 3 में शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में रानी मुखर्जी फिर से लौट रही हैं। फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि यह किस तारीख को रिलीज होगी इसका खुलासा अभी नहीं किया गया है। मर्दानी 3 को अभिराज मीनावाला डायरेक्ट और आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में रानी मुखर्जी लीड रोल में हैं वहीं बाकी की स्टारकास्ट का अभी खुलासा नहीं किया गया है।

रानी मुखर्जी की दोनों फिल्मों की कहानी बेहतरीन थी इसके डायरेक्शन से लेकर, रानी मुखर्जी की परफॉर्मेंस और इसके स्टोरी आइडिया तक सबकुछ सराहनीय था। अब फिल्म में आखिर नया क्या है। इस पर रानी ने बात करते हुए कहा, फिल्म डार्क और ब्रूटल होग। हम दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे। मर्दानी 3 डार्क, घातक और क्रूर है। इसलिए, मैं हमारी फिल्म के लिए लोगों का रिस्पॉन्स देखने के लिए बेताब हूं। मुझे उम्मीद है कि वे इस फिल्म को भी उतनी ही सराहना देंगे जितना पहले की दोनों फिल्मों को मिला है।

एक अच्छे, भले और नेक प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह

हरिशंकर व्यास

शीर्षक चौंका सकता है। पर जरा समकालीन भारत अनुभवों और उनकी दिशा में झांके तो अगले बीस-पच्चीस वर्षों की क्या भारत संभावना दिखेगी? भारत पिछले दस वर्षों की विरासत में कदम उठाता हुआ होगा। इस विरासत का मंत्र और अनुभव बुद्धि नहीं लाठी है। हार्वर्ड नहीं हार्डवर्क है। सत्य नहीं झूठ है। सौम्यता नहीं अहंकार है। विनम्रता नहीं निष्ठुरता है। कानून नहीं बुलडोजर है। मान मर्यादा नहीं लंगूरपना है। विचार और बहस नहीं गाली तथा ट्रोल है। तर्क नहीं है लाठी है। प्रबुद्धता नहीं मूर्खता है। चाल, चेहरा, चरित्र नहीं, बल्कि अकड़, लालच और कदाचार है। इस तरह का निष्कर्ष 2014 के समय में अकल्पनीय था। तब अन्ना हजारे, रामदेव, अरविंद केजरीवाल, नरेंद्र मोदी के हुंकारों, आंदोलनों के उमड़े जन सैलाबों की तलहटी में सत्य छुपा हुआ था। अज्ञात था। ऐसा होना हम हिंदुओं की नियति से है। हिंदुओं का भाग्य है जो वह गांधी के पीछे चले या अन्ना हजारे के या हाथ में कमल ले कर चले या झाड़ू, उसे वही झूठा अवतार मिलता है जो उसकी कलियुगी नियति है।

उस नाते डॉ. मनमोहन सिंह स्वतंत्र भारत के इतिहास में अपवाद थे। वे अकेले प्रधानमंत्री हैं, जिनकी शख्सियत ने झूठ, फरेब से लोगों का बहकाने, लोगों में जादू बनाने, दैवीय अवतार की इमेज बनाने, लोगों को डराने धमकाने या उनके वोट खरीदने जैसा वह कोई छल नहीं किया, वह राजनीति नहीं की जो आजाद भारत की राजनीति का ट्रेंडमार्क है। बावजूद इसके वे भारत के वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री थे। उसी के कर्म फल में वैश्विक बिरादरी तक ने, उन्हे स्मरण करते हुए एक युगांतरकारी, बुद्धिमान, समझदार, सौम्य और श्रेष्ठ प्रधानमंत्री की सच्ची भाव भंगिमा में श्रद्धांजलि दी है।

यह वस्तुनिष्ठ श्रद्धांजलि पिछले दस वर्षों के नरेंद्र मोदी, अरविंद केजरीवाल के शासन अनुभवों के परिप्रेक्ष्य में, समकालीन अनुभवों के संदर्भ तथा भारत की भावी दिशा के भान से भी है। इतिहास की कसौटी है जो घटना और नेतृत्व का मूल्यांकन पचास साल बाद किया जाता है। कोई युद्ध हुआ, राजा या प्रधानमंत्री मरा तो उसके बाद के अनुभवों, प्रभावों के पच्चीस-पचास साल बाद ही इतिहास फैसला लेता है कि नेहरू ने भारत बनाया था या बिगाड़ा था। नेहरू के आइडिया ऑफ इंडिया और उसकी विरासत के प्रधानमंत्री और राजनीति देश हित में थी या देश को बरबादी की और ले जाने वाली।

डॉ. मनमोहन सिंह की शख्सियत कर्तव्यनिष्ठ थी। इतिहास निरपेक्ष थी। शासन के आखिर में जरूर उन्होंने अन्ना हजारे-केजरीवाल-मोदी के भूचालों में अपने मुंह से यह बोला था, उम्मीद जताई थी कि इतिहास उनके प्रति दयालु होगा!

और मेरी राय में उनका इतिहास भारत के आखिरी बुद्धिमान, उम्दा प्रधानमंत्री के नाते अमिट है। एक अच्छे', भले' और नेक' प्रधानमंत्री। और सोचें, इन तीन शब्दों से अधिक मनुष्यों के बीच मनुष्य को और क्या पुण्यता चाहिए!

मैंने बतौर पत्रकार उनके प्रधानमंत्री रहते उनकी आलोचना की है तो उनकी प्रशंसा भी की। तारीफ खासकर तब जब डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका के साथ एटमी करार के लिए अपनी सरकार दांव पर लगाई थी। जिस वाम मोर्चे पर मनमोहन सरकार टिकी थी उसके घोर विरोध, सीपीएम नेता प्रकाश करात द्वारा सैद्धांतिक आधार पर वैयक्तिक प्रतिष्ठा दांव पर लगाने तथा वामपंथी पत्रकारों की चिल्लपों, सोनिया गांधी व अहमद पटेल की चिंताओं के बावजूद मनमोहन सिंह ने एटमी करार किया। भारत का वैश्विक अछूतपन मिटाया। वह फैसला देश की सामरिक चिंता, सुरक्षा, भू राजनीति और वैश्विक जमात में भारत के स्थान के खातिर वैसा ही दुस्साहसी फैसला था जैसा मनमोहन सिंह का प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव की कमान में वित्त नीति में परिवर्तनों का था।

मेरा पीवी नरसिंह राव के समय से ऑब्जर्वेशन रहा है कि मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री बनने के बाद भी कभी यह नहीं कहा कि उनके कारण आर्थिक सुधार और उदारवाद आया। वे कभी अहंकार में या अनजाने में भी यह नहीं बोले कि मैंने, या मेरे कारण भारत के उदारवादी निर्णय हुए। इसलिए क्योंकि वे पीवी नरसिंह राव की बुद्धिमत्ता, दूरदृष्टि और समझदारी के कायल थे। मेरा डॉ. मनमोहन सिंह से कभी नाता नहीं रहा लेकिन मैं पीवी नरसिंह राव, प्रधानमंत्री दफ्तर संभालने वाले भुवनेश चतुर्वेदी, पीवीआरके प्रसाद और इनके घेरे को गहराई से जानता था इसलिए प्रत्यक्ष प्रमाण में सामने था कि कैसे राजनीतिक दबावों, कैबिनेट के भीतर की चुनौतियों और दस, जनपथ की चिंताओं के बीच प्रधानमंत्री के कवच से डा. मनमोहन सिंह ने पहला साहसी बजट पेश किया। कैसे खुद प्रधानमंत्री ने स्वंय उद्योग मंत्रालय संभालते हुए लाइसेंस, परमिट राज को खत्म करने की घोषणाएं कीं!

वह मौनी बाबा की मौन क्रांति थी। तभी स्वतंत्र भारत के इतिहास का सत्य है कि बुद्धि, विवेक और समझदारी के प्रतिमान पीवी नरसिंह राव ने उबलते पंजाब, बागी कश्मीर तथा अराजक उत्तर-पूर्व को सामान्य बनाया तो बाबरी मस्जिद के ध्वंस को भी विवेक से सहा। दिलचस्प संयोग है कि पीवी नरसिंह राव ने पांच साल के आखिर में तथा मनमोहन सिंह ने दस साल शासन के आखिर में, दोनों ने एक जैसे बवंडरों का सामना किया। बावजूद इसके इतिहास दोनों के प्रति दयालु है। दुनिया में यदि भारत के वित्तीय, आर्थिक, सामरिक तथा कूटनीतिक प्रतिमानों में किसी को याद किया जाता है तो उनमें भारतीय नाम पीवी नरसिंह राव और मनमोहन सिंह के हैं।

अद्भुत है! स्मृति पर जोर डालें। याद करें पीवी नरसिंह राव, के खिलाफ अर्जुन सिंह, फोतेदार, नटवर सिंह, नारायण दत्त तिवारी सहित कांग्रेस के तमाम दरबारियों, वामपंथी-सेकुलर आलोचकों से लेकर हर्षद मेहता, जेठमलानी, अचार कारोबारी लक्खू भाई और विश्वासघाती सीताराम केसरी जैसे चेहरों के बनाए झूठे बवंडर को। सभी को इतिहास मिट्टी की धूल सा मिटा चुका है। और इतिहास में कीर्ति अंकित है तो वह नरसिंह राव की है। ऐसे ही याद करें, मनमोहन सिंह के खिलाफ बवंडर पैदा करने वाले विनोद राय, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, अन्ना हजारे, रामदेव, अरविंद केजरीवाल, नरेंद्र मोदी एंड पार्टी को! क्या इनमें से कोई एक भी सच्चा साबित हुआ? जो लोग नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल को भगवान, अवतार, मसीहा मानते हैं, उन्हें और उनकी भावना को दरकिनार करके सोचें तो मनमोहन सिंह ने मनुष्य रूप में दस वर्ष भारत का जो शासन किया वह किस कसौटी पर बुरा था? क्या वे भ्रष्ट प्रमाणित हैं? क्या पूंजीवाद और उदारवाद के आस्थावान डॉ. मनमोहन सिंह पर ये आरोप हैं कि उनकी बदौलत गौतम अडानी जैसे किसी क्रोनी पूंजीपति ने भारत को चूना लगाया। दुनिया में भारत को बदनाम बनाया?

ये बातें देश की एकता-अखंडता, इतिहास के मायनों में क्षणिक और बेमानी हैं। इसलिए अहम बात भारत के आखिरी बुद्धिवान, उम्दा प्रधानमंत्री' का शीर्षक है। क्यों कर ऐसा माना जाए? जवाब पर यह विचार करें कि नरेंद्र मोदी का अब तक का शासन वतर्मान और भविष्य का क्या रास्ता बनाए हुए है? जाहिर है नेहरू के आइडिया ऑफ इंडिया, नेहरू-गांधी परिवार के खूंटे के आइडिया से अलग एक भारत। अर्थात उस हिंदू आइडिया ऑफ इंडिया का भारत, जिसका खूंटा संघ परिवार है। मान सकते हैं समकालीन भारत दो खूंटों की नियति लिए हुए है। स्वतंत्रता के बाद कोई साठ साल भारत गांधी-नेहरू परिवार के खूंटे से चला। अब समय संघ परिवार के खूंटे का है और नरेंद्र मोदी के अवतार से हिंदू क्योंकि कथित तौर पर जागे हैं और वे देश और अपनी सुरक्षा में मुसलमान को चिन्हित किए हुए हैं तो जाहिर है उनकी प्राथमिक आवश्यकता क्या है? छप्पन इंची छाती का निरंतर नेतृत्व। इसलिए नरेंद्र मोदी की विरासत में आगे की राजनीति के चेहरों में अमित शाह हों या योगी आदित्यनाथ या हिमंता बिस्वा या देवेंद्र फडनवीस, छप्पन इंची छाती के नेतृत्व, राजनीति और व्यवस्था की आवश्यकता स्थायी है। दूसरे शब्दों में भारत का गवर्नेंस शक्ति, वाक् शक्ति, भय बिन होय न प्रीत के लाठी दर्शन से ही चलेगा। शत्रु क्योंकि इतिहास और मुसलमान है तो पानीपत की लड़ाई का सिनेरियो भी तय है। तभी नरेंद्र मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ आदि का भारत जब भविष्य में हर जिले में एक हिंदुस्तान और एक पाकिस्तान लिए हुए होगा तो कल्पना संभव भी है कि दिल्ली के तख्त को कभी बुद्धिमत्तापूर्ण, विवेकी, समझदार, सौम्य शख्सियत के बैठने का गौरव प्राप्त हो?

और हां, यह भी जान लेना चाहिए कि संघ के खूंटे के समानांतर अब जो गांधी-नेहरू-सेकुलर खूंटा है वह खरबूजे को देख खरबूजे जैसी राजनीति करते हुए है। इसलिए सार्वजनिक जीवन और राजनीति में बुद्धि, विचार, बहस, विवेक, सौम्यता, भद्रता, अच्छापन, पढ़ाई-लिखाई आदि का अर्थ ही नहीं है। भारत अब वह बीहड़ है जिसमें मनमोहन सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी, पीवी नरसिंह राव जैसी शख्सियतों की कोई गुंजाइश नहीं है। इसलिए फिर नोट करें डॉ. मनमोहन सिंह- भारत के आखिरी बुद्धिमान और उम्दा प्रधानमंत्री!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र.86

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.85 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी

संकेत साफ है। श्रीलंका के मार्क्सवादी राष्ट्रपति की विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी। दिसानायके ने यह दो टूक भरोसा दिया कि उनकी सरकार श्रीलंकाई जमीन से किसी भारत विरोधी गतिविधि की इजाजत नहीं देगी।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनूरा कुमारा दिसानायके की यात्रा से भारत को दो आश्वासन मिले। पहला तो यही कि दिसानायके ने राष्ट्रपति के रूप में अपनी विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना।

नई दिल्ली में उसका मतलब यह समझा गया है कि श्रीलंका के मार्क्सवादी राष्ट्रपति की विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी।

फिर दिसानायके ने भरोसा दिया कि उनकी सरकार श्रीलंकाई जमीन से किसी भारत विरोधी गतिविधि की इजाजत नहीं देगी।

मतलब यह समझा गया कि चीनी खोजी एवं अन्य जहाजों को श्रीलंका में लंगर डालने की अनुमति दी भी गई, तो श्रीलंका सरकार सुनिश्चित करेगी कि वे वहां से भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाली किसी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे।

दिसानायके अगले महीने चीन जाने वाले हैं। चूंकि भारत में पड़ोसी देशों के चीन से संबंध को लेकर एक खास तरह की संवेदनशीलता रहती है, इसलिए निश्चित रूप से यहां के कूटनीतिकों की नजर उस यात्रा पर रहेगी।

फिलहाल, यह साफ हुआ है कि श्रीलंका की नई सरकार की अपनी प्राथमिकताएं हैं। 2022 में जिस आर्थिक संकट में देश फंसा था, उसके असर से आज भी नहीं उबर पाया है।

ऊपर से आईएमएफ से लिए गए कर्ज की शर्तों ने सरकार के लिए नई चुनौतियां खड़ी की हैं। ऐसे में भारत जैसे बड़े पड़ोसी देश के साथ किसी विवाद में उलझने का जोखिम वहां की सरकार शायद ही उठा सकती है।

मगर वह चीन की उपेक्षा करने की स्थिति में भी नहीं है, जिसका बहुत भारी निवेश श्रीलंका में है। संकेत यह है कि दिशानायके इन दोनों बड़े देशों की संवेदनशीलताओं का ख्याल करते हुए फिलहाल दोनों से सद्भावपूर्ण संबंध को प्राथमिकता दे रहे हैं। नई दिल्ली में यह संदेश देने के बाद उनकी कोशिश बीजिंग में भी ऐसा ही पैगाम देने की होगी। बहरहाल, भारत यात्रा के दौरान, जैसाकि अक्सर शिखर नेताओं की यात्रा के समय होता है, कुछ महत्त्वपूर्ण व्यापार एवं रक्षा समझौते भी हुए। इनसे भी सकारात्मक प्रभाव पैदा हुआ है। भारत के लिए अच्छी बात है कि जिस समय विभिन्न पड़ोसी देशों से चुनौती भरे संकेत आ रहे हैं, श्रीलंका ने उसे आश्वस्त किया है।(आरएनएस)

श्री गुरु गोविन्द सिंह जी के 358वें पावन प्रकाश वर्ष पर नगर कीर्तन का आयोजन

हमारे संवाददाता

देहरादून। दसवें गुरु साहिब श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के 358वें पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढत बाजार के तत्वधान में भव्य नगर कीर्तन का आयोजन गुरुद्वारा साहिब करनपुर से किया गया, संगत द्वारा गुरुबानी गायन से द्रोण नगरी गूंज उठी, श्रद्धांलुओं ने गुरु महाराज को शीश निवा कर मत्था टेक गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

गुरुद्वारा साहिब करनपुर में अरदास के पश्चात श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को पंज प्यारों की अगुआई में सुन्दर फूलों से सजी पालकी साहिब में विराजमान कर नगर कीर्तन की आरम्भता की गई स संगत गुरु साहिब जी को मत्था टेक आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक दिखाई दी। नगर कीर्तन गु. करनपुर से सर्वे चौक, क्वाल्टी चौक, घंटा घर, पल्टन बाजार, धमावाला बाजार, लक्खी बाग पुलिस चौकी से रात्रि करीब 8.0 बजे गु. श्री गुरु सिंह सभा में सम्पन्न हुआ।

नगर कीर्तन के मुख्य आकर्षण में जीप पर नगाड़ा बजाते हुए सिंह, पंज प्यारों की अगुआई में सुन्दर फूलों से सजी पालकी साहिब में विराजमान जी की सवारी, गतका पार्टियों के हैरत अंगेज करतब, शब्द गायन करते शब्दी जत्थे, सड़क की साफ सफाई करते श्रद्धांलु, ऑटो आदि पर लगी झाकियां, बैंड बाजे, विशेष रूप से सहारनपुर से आया पंजाब बैंड,फूलों की सड़क पर पुष्प वर्षा,गुरुद्वारों एवं घंटाघर पर सुन्दर लाइटिंग, पंज प्यारों की भेष भूषा में सजे स्कूली बच्चे, जगह जगह लगे जलपान के स्टाल, सड़क से दोने पतल आदि उठाने की सेवा करते श्रद्धांलु, सेवादार ट्रेफिक कण्ट्रोल में पुलिस का सहयोग करते हुए ताकि जनता को कोई परेशानी न हो व नगर कीर्तन को सुचारू रूप से चलाने हेतु सेवा नौजवान जत्थों ने सम्भाली जिसमें मुख्यता स.गुनीत सिंह,अंगद सिंह,सुरज सिंह, मक्खन सिंह, अर्जन सिंह, आदि शामिल थे।

कांग्रेस प्रत्याशी पूजा गुप्ता के मुख्य चुनाव कार्यालय का हुआ उदघाटन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रुड़की नगर निगम से मेयर पद की कांग्रेस प्रत्याशी के मुख्य चुनाव कार्यालय का उद्घाटन बीटी गंज में हुआ। उद्घाटन में पहुंचे वक्ताओं ने पूजा गुप्ता के पक्ष में वोट करने की अपील की और आने वाले पांच साल विकास के नाम करने को कहा।

बीटी गंज में कांग्रेस प्रत्याशी पूजा गुप्ता के कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन करने के बाद विधायक ममता राकेश ने कहा कि पूजा गुप्ता सशक्त नारी है और पार्टी ने एक शिक्षित और ईमानदार प्रत्याशी के रूप में जनता के बीच उन्हें भेजा है। उन्होंने कहा कि अब जनता को तय करना है कि निगम का संचालन एक मजबूत और शिक्षित हाथों में दें। विधायक वीरेंद्र जाती ने कहा कि सचिन गुप्ता और पूजा गुप्ता लंबे समय से जनता की सेवा में लगे हैं और उनके पास शहर के विकास के लिए एक विजन है जिसे लेकर वह शहर में आने वाले पांच साल विकास करेंगे। पांच बार के पार्षद रविंद्र खन्ना बेबी ने कहा कि नगर निगम में जो कार्य आज तक नहीं हो पाए वह आने वाले पांच वर्षों में होंगे। आमजन, व्यापारियों से लेकर हर वर्ग के लिए कार्य किया जाएगा। प्रत्याशी पूजा गुप्ता ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल शहर में सड़कें और सफाई व्यवस्था नहीं बल्कि उससे भी आगे बढ़कर कार्य करना हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रतिभावान बच्चों को उनकी प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़ाने के लिए योजनाएं लाएंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री रामसिंह सैनी और संचालन विकास त्यागी ने किया। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष एडवोकेट चौधरी राजेंद्र सिंह, डॉ. विनय गुप्ता, डॉ. अनिल शर्मा, दिनेश सहदेव,ईश्वर लाल शास्त्री,पूर्व अध्यक्ष कलीम खान, मुनेश त्यागी, भूषण त्यागी,रजनीश गोयल, आशीष बाजपेई, जितेंद्र पंवार, योगेश धीमान, संजय तोमर गुड्डू, उदय जैन, रवि तोमर, मीर हसन, सुभाष चौधरी,मनोज गोयल, लवी त्यागी, सौरभ गोयल आदि मौजूद रहे।

डीएम ने अत्याधुनिक मोबाईल आई क्लिनिक को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

हमारे संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने आज प्रात: काल मसूरी डायवर्जन राजपुर रोड़ से श्री ओम फांउडेशन सार्वजनिक ट्रस्ट एंव राही नेत्रधाम देहरादून के सुपर स्पेस्पेशलिटी आई हॉस्पिटल की पहली अत्याधुनिक मोबाईल आई क्लिनिक को हरीझण्डी दिखाकर रवाना किया गया है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह पहल उत्तराखंड के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में नेत्र देखभाल सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इससे हजारों लोगों की दृष्टि बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि जहां शासन-प्रशासन राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को विकसित किये जाने हेतु प्रतिबद्ध है। वहीं सामाजिक संगठनों द्वारा आगे आकर इस प्रकार के प्रयास जहां हमारे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य जांच में अहम भूमिका निभाएंगे वहीं लोगों को स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूकता भी बढाएगें। उन्होंने एनजीओ एवं अन्य

सामाजिक संगठनों से इस प्रकार के जनमानस के लिए समर्पित होकर कार्य करने के लिए आगे आने अपील की।

श्री ओम फाउंडेशन, जो उत्तराखंड में राज्य में अंधत्व को समाप्त करने के लिए समर्पित एक सार्वजनिक ट्रस्ट है, ने राही नेत्रधाम, देहरादून स्थित सुपरस्पेशलिटी आई हॉस्पिटल के साथ मिलकर अत्याधुनिक मोबाइल आई क्लिनिक लॉन्च किया। यह मोबाइल क्लिनिक अत्याधुनिक उपकरणों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सक्षम फंडस कैमरे से सुसज्जित है, जो रेटिनल डिटैचमेंट, डायबिटिक रेटिनोपैथी, रेटिनल वेन ऑक्लूजन और ग्लूकोमा जैसी बीमारियों का पता लगाने में सक्षम है। प्रशिक्षित टीम के साथ, यह क्लिनिक राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में प्रमुख नेत्र रोगों की जांच करेगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, जिला पर्यटन विकास अधिकारी सीमा नौटियाल, राही नेत्रधाम के निदेशक डॉ. मोहित गर्ग, एवं डॉ. चिंतन देसाई उपस्थित रहे।

संपूर्ण समर्पण फाउंडेशन ने किया कन्या विवाह हेतु सहयोगी आयोजन

हमारे संवाददाता

देहरादून। राज एनक्लेव निरंजनपुर में आज संपूर्ण समर्पण फाउंडेशन के तत्वाधान में एक अत्यंत सराहनीय आयोजन किया गया, जिसमें एक जरूरतमंद कन्या के विवाह हेतु सहयोग प्रदान किया गया। इस कन्या का विवाह 14 जनवरी 2025 को निश्चित किया गया है, और इस आयोजन का उद्देश्य विवाह के लिए आवश्यक सहयोग जुटाना था।

कार्यक्रम का आयोजन संपूर्ण समर्पण फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती अनीता शर्मा के आवास पर किया गया। यह संस्था हमेशा से ही समाज में ऐसे सहयोगी कार्य करती आई है और इस आयोजन के माध्यम से भी संस्था ने अपने उद्देश्यों को पूर्ण किया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से सहयोग करने वालों में प्रेम उपाध्याय, द फर्स्ट गियर कैफे के स्वामी, लालचंद शर्मा, शुभ संस्कार संस्था, दिलीप शर्मा, नवीन गुप्ता, श्रीमती सरिता, ओएनजीसी, अनुराग गौड शामिल थे जिनकी मदद से इस कन्या के विवाह को सम्मानजनक रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए गए।

नशे के प्रति जागरुक करने के लिये पुलिस ने चलाया जागरुकता अभियान

हमारे संवाददाता

देहरादून। आमजन को नशे के प्रति जागरूक करने के लिए पुलिस द्वारा आज जागरूकता अभियान चलाया गया है।

कालसी पुलिस द्वारा पुरानी कालसी क्षेत्र में टैक्सी यूनियन कालसी के सदस्यों तथा आम जनमानस के साथ जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान आम जनमानस को नशे के दुष्प्रभावों तथा उससे होने वाली हानियों के सम्बन्ध मे विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए उन्हें नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। साथ ही आमजन को नशे के विरुद्ध जंग में एकजुट होकर आगे आने तथा नशा उन्मूलन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित आम जन के साथ नशा उन्मूलन पर चर्चा करते हुए सुझावों का आदान- प्रदान

किया गया। जागरूकता गोष्ठी के उपरान्त थाना क्षेत्र में पूर्व से नशे की लत से ग्रसित युवकों की काउंसलिंग करते हुए उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा उन्हें अपनी नशे की लत का त्याग कर समाज की मुख्य धारा में जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसके उपरान्त उक्त युवकों को भी नशे से दूर रहने तथा अपने परिचितों को भी नशा उन्मूलन की दिशा में जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। जागरूकता कार्यक्रम में उपिस्थत सभ्रांत व्यक्तियों तथा आम जनमानस ने दून पुलिस द्वारा नशा उन्मूलन के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। साथ ही भविष्य में नशा उन्मूलन के क्षेत्र में अपना हर सम्भव सहयोग प्रदान करने के प्रति आस्वस्त किया गया

एक नजर

न्यूक्लियर साइंटिस्ट राजगोपाल चिदंबरम का 88 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली। वर्ष 1974 और वर्ष 1998 के परमाणु परीक्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी राजगोपाल चिदंबरम नहीं रहे। इसकी जानकारी डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी ने दी। वह 88 वर्ष के थे। डीएआई के अधिकारियों के मुताबिक उन्होंने मुंबई के जसलोक हॉस्पिटल में आखिरी सांस ली। डीएई की तरफ ने अपने बयान में कहा है, प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी और देश के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में शुमार डॉ राजगोपाल चिदंबरम का 4 जनवरी 2025 की सुबह 3:20 बजे निधन हो गया। चिदंबरम का जन्म 1936 में हुआ था। उन्होंने चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज और बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस से पढ़ाई की थी। चिदंबरम ने अपने कैरियर में कई प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया। उन्होंने 2001-2018 के दौरान भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार, 1990-1993 के दौरान भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के निदेशक, 1993-2000 के दौरान डीएआई के सचिव और एटॉमिक एनर्जी कमीशन के चेयरमैन के तौर पर काम किया था। उन्होंने 1994-1995 में इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के गवर्नर्स बोर्ड के चेयरमैन के रूप में भी काम किया। चिदंबरम ने भारत की नाभिकीय क्षमताओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डीएई के बयान के मुताबिक उन्होंने 1974 में देश के पहले न्यूक्लियर टेस्ट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और 1998 में पोखरण-II न्यूक्लियर टेस्ट के दौरान डिपॉर्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी टीम का नेतृत्व किया था।

अगर कोल्ड ड्रिंक्स बच्चों के लिए खराब हैं, तो इसे बैन कर दीजिएः शाहरुख

मुंबई। अगर कोल्ड ड्रिंक जहर हैं तो इसके उत्पादन पर रोक लगानी चाहिए, ऐसा अभिनेता शाहरुखघ खघन ने कहा है। हालांकि यह घोषणा की गई है कि कोल्ड ड्रिंक्स स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, लेकिन लोग उन्हें पीना बंद नहीं करते। वहीं, जब अभिनेता कोल्ड ड्रिंक्स के विज्ञापन में काम करते हैं तो उनकी आलोचना होती है। इन आलोचनाओं का जवाब देते हुए अभिनेता शाहरुखघ खघन ने एक निजी टीवी चौनल पर इस विषय पर चर्चा की। उन्होंने कहा, अगर आपको लगता है कि कोल्ड ड्रिंक्स बच्चों के लिए खराब हैं, तो इसे बैन कर दीजिए। हमारे देश में इसे बेचने की अनुमति न दें। अगर धूम्रपान खराब है, तो सिगरेट का उत्पादन बंद कर दें। अगर आपको लगता है कि कोल्ड ड्रिंक खराब हैं, तो उन्हें अनुमति न दें। अगर यह हमारे लोगों के लिए जहर है, तो इसे भारत में बनने मत दीजिए। लेकिन आप इसे इसलिए बंद नहीं करेंगे क्योंकि यह सरकार को राजस्व देता है। लेकिन मेरी आमदनी मत रोकिए। मैं एक अभिनेता हूं। मैं काम करता हूं और उससे पैसे कमाता हूं। अगर आपको कुछ गलत लगता है, तो उसे बंद कर दें। मुझे इससे कोई समस्या नहीं है।

दिल्ली में पानी के गलत बिल होंगे माफः अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवासियों के लिए बड़ा ऐलान किया है, उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर पानी के सभी गलत बिल माफ कर दिए जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हमारी सरकार फ्री पानी उपलब्ध करा रही है, 20000 लीटर पानी फ्री मिलता है, जब से में जेल गया तो पता नहीं इन्होंने (बीजेपी) क्या-क्या किया, दिल्लीवालों के लाखों रुपए के पानी के बिल आने लगे। उन्होंने कहा कि फिर से आम आदमी पार्टी की सरकार आने पर जिन लोगों के पानी के गलत बिल आए हुए हैं, उन्हें भरने की जरूरत नहीं हैं, चुनाव के बाद उनके गलत बिल माफ कर दिए जाएंगे। यह मेरा सभी लोगों से वादा है, यह मेरी गारंटी है। दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस को सीरियसली लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जनता ने ही कांग्रेस पार्टी को सीरियस लेना बंद कर दिया है। केजरीवाल ने पंजाब की महिलाओं के दिल्ली में प्रदर्शन को लेकर कहा कि पंजाब की सभी महिलाएं आम आदमी पार्टी के साथ हैं, उन्हें हम पर भरोसा है। ये कांग्रेस और बीजेपी वालों की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस और बीजेपी को औपचारिक रूप से ऐलान कर देना चाहिए कि वो मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। ये चोरी छिपे, पीठ पीछे एकसाथ अलायंस करना ठीक नहीं है।

महापौर दूनः जनहित के मुद्दों पर कांटे की टक्कर

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में होने वाले निकाय चुनाव में कौन किस पर कितना भारी पड़ेगा यह तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे लेकिन देहरादून के महापौर पद पर इस बार भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर होने जा रही है। राजधानी दून के महापौर का चुनाव जिन जमीनी मुद्दों पर होने जा रहा है उस पर सभी की निगाहें टिकी हुई है।

बीते 15 सालों से दून नगर निगम पर भाजपा अपना कब्जा बनाए हुए हैं। निवर्तमान महापौर सुनील उनियाल गामा चाहते थे कि भाजपा उन्हें ही फिर चुनाव लड़ने का मौका दे लेकिन भाजपा ने अपने सभी निवर्तमान पालिका अध्यक्षों व महापौरों को बाहर का रास्ता दिखाते हुए नए चेहरों को मैदान में उतारा है। निवर्तमान दून के महापौर पर वैसे भी भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने तथा निगम की जमीनों को व्यापक स्तर पर खुर्द-बुर्द करने के आरोप लगाये जाते रहे हैं इसलिए उन्हें टिकट मिलना संभव नहीं था इसलिए भाजपा ने सौरभ थपलियाल को चुनाव मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने सौरभ के मुकाबले जिन वीरेंद्र पोखरियाल पर भरोसा जताया

❑कौन संभालेगा चुनौतियों का अंबार

है उसके मद्देनजर एक बात तो साफ है कि प्रत्याशी चयन के दृष्टिकोण से यह एक सर्वोत्तम चयन है।

दो युवा छात्र नेताओं के बीच होने वाला यह चुनावी मुकाबला इसलिए भी अधिक दिलचस्प रहने वाला है क्योंकि दोनों ही प्रत्याशी जिन चुनावी मुद्दों पर एक दूसरे से बढ़त बनाने का दावा कर रहे हैं वह जमीनी मुद्दे हैं। भले ही हम कई दशकों से स्वच्छ दून, सुंदर दूंन और शिक्षित दून व स्वस्थ दून जैसे स्लोगन सुनते आए हो लेकिन यथार्थ में इन मुद्दों पर किसी ने बीते 20 साल से रत्ती भर भी काम नहीं किया है। राजधानी बनने के बाद लोग एक बीमार दून और बदहाल दून में जीने पर विवश है। दून में विकास के नाम पर वृक्षों का अंधाधुंध कटान और स्मार्ट सिटी के नाम पर की गई शहर की खुदाई से लोग परेशान है। यातायात व्यवस्था का हाल यह है कि जो सफर 10 मिनट में होना चाहिए वह घंटों में हो रहा है सड़कों के गड्ढे और वातावरण में धूल ही धूल सांसों पर भारी पड़ रही है।

दून नगर निगम का बढ़ता क्षेत्रफल, आबादी, सफाई व्यवस्था, यातायात व्यवस्था से लेकर कूड़ा निस्तारण और पार्किंग व्यवस्था जैसी गंभीर कई समस्याएं दून के सामने मुंह बाए खड़ी है। दून की इन गंभीर बीमारियों का इलाज करना किसी भी महापौर के लिए बड़ी चुनौती जरूर रहेगा लेकिन उम्मीद की जानी चाहिए कि दून के बिगड़े स्वरूप को संवारने की जिम्मेदारी जनता जिसे भी सौंपेगी वह मलिन बस्तियों से लेकर अन्य तमाम समस्याओं के समाधान का रास्ता निकालने के लिए काम करेगा। जमीनी मुद्दों पर लड़ा जाने वाला यह चुनाव न सिर्फ कांटे का होगा बल्कि रोमांचक भी रहने वाला है।

ऊंची पहुंच का हवाला देकर पूर्व फौजी से ठगे करोड़ो रुपये, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

देहरादून। खुद की ऊंची पहुंच होने का हवाला देकर नौकरी लगवाने व अन्य कामो के एवज में करोड़ो की ठगी करने वाले एक शातिर के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जनकारी के अनुसार पुलिस मुख्यालय में बीते दिनों विरेन्द्र सिंह पुत्र रामपाल सिंह हाल निवासी गणेशपुरम माजरी माफी, थाना नेहरूकॉलोनी, देहरादून, उत्तराखण्ड स्थाई निवासी उमरपुर मीरा बिजनौर ने शिकायत देते हुए बताया कि उन्होने सेना में 24 वर्ष नौकरी की है और वर्ष 2020 में वह सेवानिवृत्त हो गये। सेवानिवृत्त होने के बाद वह अपने एक परिचित के माध्यम से अंकित रावत पुत्र सोबत सिंह रावत, पूजा चमोली व सत्यम शर्मा से मिला। जिन्होने मुझे नौकरी लगवाने की बात कहते हुए खुद को कई वीआईपी का दोस्त बताते हुए उनसे अलग-अलग तिथियों में 1 लाख 85 हजार रूपये ले लिए। साथ ही किसी काम में पैसों की जरूरत पड़ने पर फिर अलग-अलग तिथियों में 50 लाख रूपये ले लिए गये। तथा कई लोगों को नौकरी लगवाने के नाम पर 5 करोड़ 35 लाख रूपये भी लिए गये। मामले में पुलिस मुख्यालय के आदेश पर थाना नेहरूकालोनी में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

नशे के खिलाफ बड़ा अभियानः 5000 नशीले कैप्सूल व 54 इंजेक्शन बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत ड्रग विभाग ने पुलिस के साथ मिलकर एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार छापेमारी कर रहे ड्रग विभाग ने रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के गढ़मीरपुर में एक संयुक्त अभियान चलाकर 5000 नशीले कैप्सूल और 54 इंजेक्शन बरामद किए हैं।

अक्सर देखा जाता है कि ड्रग विभाग और पुलिस जब दिन में छापेमारी करने जाती है, तो नशीली दवाइयों को बेचने वाले इधर-उधर फरार हो जाते हैं। इस बार ड्रग विभाग और पुलिस ने विशेष प्लान तैयार किया और देर शाम अचानक मेडिकल स्टोर्स पर पहुंचे। इस रणनीति के चलते बड़ी मात्रा में नशीली दवाइयां और इंजेक्शनों का जखीरा बरामद किया गया। ड्रग इंस्पेक्टर अनीता भारती ने बताया, हम नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विभाग को जहां भी अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री की सूचना मिलती है, वहां तत्काल कार्रवाई की जाती है। इस अभियान में पुलिस का सहयोग सराहनीय रहा है।

मौके से कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, और उनसे पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि ये नशीले पदार्थ स्थानीय बाजार में अवैध रूप से बेचे जा रहे थे। ड्रग विभाग और पुलिस की इस सख्ती से मेडिकल स्टोर संचालकों में खलबली मच गई है। स्थानीय निवासियों ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि जिले में नशे के अवैध कारोबार पर जल्द ही पूरी तरह से लगाम लगाई जाएगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।